



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

14

सं. 589]

नई दिल्ली, रविवार, नवम्बर 27, 1994/कार्तिक 6, 1916

No. 589]

NEW DELHI, SUNDAY, NOVEMBER 27, 1994/KARTIKA 6, 1916

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1994

का.आ. 847 (अ) :—नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैण्ड और विभिन्न नेताओं के नेतृत्व में इसके सभी गुट और विंग, जिन्हें इसमें इसके पश्चात् एन.एस.सी.एन. कहा गया है, और एन.एस.सी.एन. या उसकी ओर से या उसके नाम से कार्य करने के लिए तात्पर्यित अभिकरण :—

- (1) नागालैण्ड के लोगों को प्रभुता सम्पन्न नागालैण्ड की स्थापना करने के अधिकार को सुनिश्चित करने और उसके द्वारा भारत से विलग करने के अपने उद्देश्य की घोषणा करते रहे हैं;
- (2) ऐसे क्रियाकलापों में लगे हुए हैं जो भारत की प्रभुता और अखण्डता को विच्छिन्न करने के लिए आशयित हैं;
- (3) अपने उद्देश्य के अनुसरण में, समय-समय पर अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए हिंसा का मार्ग अपनाने और आतंक फैलाने और विधिपूर्ण रूप से स्थापित सरकार के प्राधिकार को कम करने की अपनी प्रतिबद्धता को

दोहराया है। हिंसात्मक क्रियाकलापों में निम्नलिखित सम्मिलित है :—

- (क) सुरक्षा बलों और पुलिस की चौकियों, गश्ती दस्तों और कार्मिकों को आहत करने और आयुद्ध तथा गोलाबारूद को छीनने की दृष्टि से घात लगाकर हमला करना;
- (ख) सरकारी खजानों, राष्ट्रीयकृत बैंकों और अन्य वाणिज्यिक स्थापनों को अपने वित्त पोषण के संवर्धन के लिए लूटना और डाका डालना;
- (ग) ऐसे व्यक्तियों की हत्या करना, जिनके बारे में यह अभिकथित है कि वे उनके हितों के विरोधी हैं और ऐसे नागरिकों को मारना जिनके बारे में संदेह है कि वे सुरक्षा बलों और पुलिस के भेदिया हैं;
- (घ) निधियों का उच्चापन करना, राशन का संग्रह करना, नए रंगरूटों की भर्ती आदि;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि इसके समक्ष रखी गई सामग्री के आधार पर एन.एस.सी.एन. एक "विधि विरुद्ध संगम" है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, विधिविच्छिन्न क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैण्ड (एन.एस.सी. एन.) को, जिसके अन्तर्गत इसके सभी गुट और विंग भी हैं, विधि विरुद्ध संगम घोषित करती है।

और केन्द्रीय सरकार की आगे यह राय है कि—

- (i) एन.एस.सी.एन. (आई) काडर की शक्ति, 27 नवम्बर, 1992 से पहले की स्थिति के मुकाबले पिछले दो वर्षों के दौरान बढ़ी है;
- (ii) एन.एस.सी.एन. के हिंसात्मक क्रियाकलाप जो पहले देहातों/जंगलों तक सीमित थे, वे अब शहरी क्षेत्रों तक पहुंच गए हैं;
- (iii) एन.एस.सी.एन. द्वारा उद्घापन के माध्यम से बढ़ी निधियों का संग्रह जिनका उपयोग अधिक हथियार अर्जित करने और अन्तर्राष्ट्रीय फोरमों में पृथक्तावादी प्रचार के लिए अपने नेताओं की विदेश यात्राओं और उनके आवास के लिए धन जुटाने के लिए किया जा रहा है;
- (iv) एन.एस.सी.एन. का प्रयास अपनी पृथक्तावादी मांगों का प्रचार करने की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय छत्र प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से लगा हुआ है।

और केन्द्रीय सरकार की यह भी राय है कि एन.एस.सी.एन. के उपरोक्त क्रियाकलाप भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए अहितकर हैं। और यदि इन गतिविधियों को तत्काल रोकता तथा नियंत्रित नहीं किया गया, तो एन.एस.सी.एन. इस मौके का उपयोग अपने को पुनः एकत्र करने तथा स्वयं को शस्त्रों से पुनः लैस करने, अपने काडर का विस्तार करने, अत्याधुनिक हथियार व गोला बारूद प्राप्त करने, अपनी जबरन बसूली गतिविधियों को तेज करने, विदेशों में अपने अलगाववादी प्रचार को बढ़ाने तथा नागरिकों व सुरक्षा बलों को भारी नुकसान पहुंचाने में करेंगे।

उपरोक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि एन.एस.सी.एन. और इसके सभी गुटों और विंगों को तुरन्त प्रभाव से विधिविच्छिन्न संगम घोषित करना आवश्यक है, और तदनुसार केन्द्रीय सरकार उक्त धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह, निदेश देती है कि यह अधिसूचना, ऐसे किसी आदेश के अधीन रहते हुए, जो उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किया जाए, राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगी।

[फा.सं. 7/12/94/एन.ई.-1]

बी.एन. झा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 27th November, 1994

S.O. 847(E).—Whereas the National Socialist Council of Nagaland, and all factions and wings thereof under various leaders, hereinafter referred to as NSCN, and the agencies purporting to act on or behalf of NSCN or in its name:—

- (1) has been declaring as its objective the securing to the people in Nagaland, the right to establish sovereign Nagaland, and thereby to secede from India,
- (2) has been engaging in activities intended to disrupt the sovereignty and integrity of India,
- (3) in pursuance of its objective has, from time to time, reiterated its commitment to pursue the violent path for achieving its objective and unleashing a reign of terror and undermining the authority of the lawfully established government. The violent activities include—
 - (a) ambushes and attacks on posts, patrols and personnel of the security forces and the police with a view to inflicting casualties and snatching arms and ammunitions,
 - (b) looting and robbing of government treasuries, nationalised banks and other commercial establishments for augmenting their finances,
 - (c) assassination of persons allegedly opposed to their interest and killing of civilians suspected to be informers of the security forces or the police,
 - (d) extortion of funds, collection of rations, enlistment of new recruits, etc.;

And whereas the Central Government is of the opinion that on the materials placed before it, the NSCN is an “unlawful association”;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the National Socialist Council of Nagaland (NSCN) including all its factions and wings as unlawful association.

And whereas the Central Government is further of the opinion that—

- (i) there has been a spurt in the strength of NSCN(I) cadres during the past two years as compared to the position before the 27th November, 1992;

- (ii) the violent activities of NSCN which were earlier confined to country-side/jungles have now moved into urban areas;
- (iii) Collection by NSCN of huge funds through extortions which are being utilised for acquiring more weapons and for funding the travels and stay of its leaders abroad for secessionist propaganda in international fora;
- (iv) NSCN is actively involved in acquiring an international image with a view to publicise their secessionist demands;

And whereas the Central Government is also of the opinion that the aforesaid activities of the NSCN are detrimental to the sovereignty and integrity of India, and if there is no immediate curb and control on these activities, NSCN will take the opportunity to re-group and re-arm itself, ex-

pand its cadre, procure sophisticated arms and ammunition, accelerate its extortionist activities, increase its secessionist propaganda abroad and cause heavy loss of lives of civilians and security forces.

Having regard to the above circumstances the Central Government is of the opinion that it is necessary to declare NSCN, and all factions and wings thereof as an unlawful association with immediate effect; and accordingly in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of the said section 3 the Central Government directs that the notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[File No. 7/12/94-NE.1]

B. N. JHA, Jt. Secy.

